प्रेस बैक्ग्राउंडर

राजस्थान की पहली युनिवर्सिटी बनी

मणिपाल युनिवर्सिटी जयपुर को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल ने प्रदान की 'ए प्सल' रेटिंग

नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल (एनएएसी) ने मणिपाल युनिवर्सिटी जयपुर को सभी प्रदर्शन मानकों पर 65 प्रतिशत मैट्रिक्स व 4.0 अंक के साथ 'ए प्लस' रेटिंग दी है। इस उपलब्धि के बाद एमयूजे राजस्थान की पहली और देश की उन दो निजी युनिवर्सिटीज में से एक हो गई है जिनके पास 'ए प्लस' की रेटिंग है। कुछ बेहतरीन प्रदर्शन सूचकांकों की जानकारी इस प्रकार से है।

एनएएसी ने पाठयक्रम के मानदण्ड पर एमयूजे को 4.0 की रेटिंग दी है, क्योंकि युनिवर्सिटी ने अपने पाठयक्रम में सभी सम्बद्ध पक्षों को जोड़ते हुए बनाया है और यह सुनिश्चित किया है कि पाठयक्रम रोजगारपरकता, उदयमिता और कौशल विकास पर फोकस हो। इन कोर्सेज के साथ कई वेल्यू एडेडे कोर्सेज भी जोड़े गए हैं। ये वेल्यू एडेड कोर्सेज इंडस्ट्री और समाज की जरूरतों को समझते हुए जोड़े गए हैं। ये कोर्सेज विद्यार्थियों की मांग, बदलते हुए समय एवं जानकारी के अनुसार तैयार किए गए हैं। संस्थान को लैंगिकता, पर्यावरण और सस्टेनेबिलिटी, मानवीय मूल्यों और प्रोफेशनल नैतिकता जैसे मुददों को पाठयक्रमों में शामिल करने के लिए भी यह शानदार स्कोरिंग मिली है।

इसके साथ ही एनएएसी टीम ने इस बात की प्रशंसा भी की है कि पाठयक्रम स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सभी प्रोफेशनल और सामान्य शिक्षा पाठयक्रमों की प्रासंगिकता 'आउटकम बेस्ड एज्यूकेशन' (ओबीई) के आधार पर बनाई गई है। टीम ने पाया कि यहां युनिवर्सिटी सिस्टम में अकादमिक लचीलापन पूरी तरह से है। इसमें भागीदारी पूर्ण शिक्षा और समस्या समाधान तरीकों पर जोर दिया गया है। युनिवर्सिटी ने सभी सम्बद्ध पक्षों के साथ मिल कर सभी पाठयक्रमों को अपडेट करने के लिए करिकुलम कॉन्क्लेव का आयोजन भी किया गया है।

विभिन्न पृष्ठभूमि और समाज के निर्धन तबके से आने वाले छात्रों की जरूरतों को देखते हुए युनिवर्सिटी ने ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जो पढाई में अच्छे थे और जिन्होंने योग्यता परीक्षा व अन्य अकादमिक रिकॉर्ड में अच्छा प्रदर्शन किया। युनिवर्सिटी ने कमजोर छात्रों के लिए पूरक और फिलप्ड कोर्सेज शुरू किए। इन छात्रों को वरिष्ठ छात्रों और शिक्षकों द्वारा रेमेडियल क्लासेज से लेकर अलग से तैयार कराई गई। युनिवर्सिटी ने छात्रों को केन्द्र में रखकर और उनकी भागीदारी जैसे क्विजिंग और कक्षा संवाद, आदि से पढ़ने और सीखने की व्यवस्था की है।

एमयूजे में पूरे देश से छात्र और शिक्षक आते हैं, क्योंकि इसका इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट वर्क और अनुसंधान सुविधाओं के लिए 1400 संस्थानों और इंडस्ट्रीज से लिंकेज हैं। करीब 60

प्रतिशत शिक्षक पीचएडी हैं और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनके पेपर प्रकाशित या प्रस्तुत किए जाते हैं। पिछले पांच वर्ष में अनुसंधान के लिए एक करोड़ से ज्यादा की सीड या एंडोवमेंट ग्रांट युनिवर्सिटी को मिल चुकी है। पिछले पांच वर्ष में 870 छात्रों को 6. 40 करोड से ज्यादा की छात्रवृत्ति मिल चुकी है। यहां 6.20 करोड के 33 प्रायोजित अनुसंधान कार्य चल रहे हैं।

अपनी नौ वर्ष की यात्रा में एमयूजे के शिक्षकों ने काफी संख्या में अपने प्रकाशन किए हैं। एमयूजे ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों व इंडस्ट्रीज से 88 एमओयू किए हैं और यह अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान रखती है। इंडस्ट्री, समाज और एनजीओ के साथ पिछले पांच वर्ष में 158 एक्सटेंशन और आउटरीच कार्यकम किए गए है। पीयर टीम ने पाया कि युनिवर्सिटी के पास अच्छी रिसर्च लैब्स और आधुनिक उपकरण है जो एससीओपीयूएस क्यू 1 पेपर्स के प्रकाशन के लिए जरूरी है।

एनएएसी पीयर टीम ने पाया कि सभी सेमेस्टर्स के परिणाम समय पर घोषित किए जाते हैं और युनिवर्सिटी ओपन बुक एक्जाम व मौजूदा सत्र 2019–20 से ई–पैड डिजीटल उत्तर पुस्तिका का उपयोग कर रही है। यहां नियमित रूप से आंतरिक मूल्यांकन होता है। छात्र अपने शैक्षणिक सूचनाओं के लिए मोबाइल एप का इस्तेमाल करते हैं। आंतरिक मूल्यांकन को पारदर्शी बनाने के लिए अंक देने से पहले छात्रों का उनकी उत्तर पुस्तिका दिखाई जाती है। परीक्षाओं की पारदर्शी व्यवस्था से परीक्षा व मूल्यांकन सम्बन्धी शिकायतें बहुत कम हो गई हैं और इसे बहुत प्रभावी व्यवस्था माना गया है।

परीक्षाएं समय पर होती है। प्रोग्राम आउटकम को नियामक संस्थाओं जैसे यूजीसी, एआईसीटीई के अनुसार चिन्हित किया गया है, ताकि नियोक्ताओं की आवश्यकताएं पूरी की जा सकें।

लर्निंग रिर्सोसेज जैसे सूचना और संवाद तकनीक (आईसीटी) आधारित कक्षाओं और आधुनिक सॉफटवेयर से लगातार अपडेट की जाने वाली लाइब्रेरी के लिए भी उत्तम अंक दिए गए। पिछले पांच वर्ष में ई–जर्नल्स और बुक्स के लिए छह करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। छात्र व शिक्षक आईमोबाइल एप की सहायता से लाइब्रेरी सुविधाओं का कहीं से भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस सुविधा को रिपोर्ट में बहुत अच्छा माना गया।

युनिवर्सिटी में 7000 से ज्यादा लैपटॉप कम्यूटर उपलब्ध है और साथ ही सूपरकम्प्यूटर 'परमशावक' भी है। इन लैबोरेट्रीज को सी–डेक, बॉश, सिमन्स और रेक्सरोथ जैसी कम्पनियों के सहयोग से तैयार किया गया है।

एमयूजे के कॉरपोरेट और प्लेसमेंट सेल को शानदार स्कोर दिया गया है। इसने छात्रों को उचित परामर्श दिया और नियमित तौर पर कॅरियर काउंसलिंग सत्र आयेाजित किए। पिछले पांच वर्ष में 92 प्रतिशत छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफल रह कर उच्च शिक्षा के लिए चुने गए अथवा प्रतिष्ठित संस्थानों व कम्पनियों में काम कर रहे हैं या फिर खुद का काम कर रहे हैं। एमयूजे के छात्रों व शिक्षकों ने राष्ट्रीय व

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेल व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में 100 से ज्यादा मेडल और पुरस्कार प्राप्त किए हैं। पूरी तरह से फंडेड स्टूडेंट क्लब और अटल इन्क्युबेशन सेंटर से छात्र विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने और कुछ नया करने के लिए प्रेरित होते हैं। मेंटोर रिलेशनशिप और समस्या समाधान तथा गुणवत्ता सुधार के लिए छात्रों का फीडबैक नियमित तौर पर लिया जाता है।

युनिवर्सिटी में नीति आयेाग और राजस्थान सरकार के डीएसटी विभाग की ओर से अटल इन्क्युबेशन सेंटर चलता है। इससे युनिवर्सिटी को सेंटर फॉर एक्सीलेंस और टेक्नोलॉजिकल व ट्रेनिंग सेंटर का दर्जा मिला है। युनिवर्सिटी ने 48 स्टार्टअप्स को सहायता की है और इनमे से कई को निजी और सरकारी फंडिंग मिल गई है। युनिवर्सिटी छात्रों को उनके नवाचारी विचार और मार्केट उत्पाद प्रदर्शित करने का मौका देती है। कई विभागों ने कुछ पेटेंट भी फाइल किए हैं। अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत युनिवर्सिटी के ग्रीन क्लब (रोटरेक्ट) ने उन्नत भारत अभियान के तहत पास के पांच गांव गोद लिए है। इन गांवों में स्वास्थ्य, सफाई, स्वच्छता, वर्षा जल संरक्षण, ग्रामीण व शहरी कचरा प्रबंधन आदि के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं।

युनिवर्सिटी इन गांवों को आदर्श गांव बनाने में सहायता कर रही है। इन गांवों के सरकारी स्कूलों में नियमित कम्प्यूटर और साफ्ट स्किल ट्रेनिंग दी जाती है और रक्तदान शिविर आयेाजित किए जाते है। इसके साथ ही जयपुर शहर में हरियाली बनाए रखने का काम भी किया जाता है।

एमयूजे ने नेतृत्व विकास कार्यकमों के तहत शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए प्रोफेशनल डवलपमेंट और प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रखे हैं और इन्हें बहुत उत्कृष्ट माना गया है। इसके अलावा छात्रों और शिक्षकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, वर्कशॉप्स आदि में भाग लेने के लिए आर्थिक सहायता दिए जाने को भी बहुत उच्च रेटिंग दी गई। एनएएसी की पीयर टीम ने मौके पर किए गए मूल्यांकन के दौरान एमयूजे के छात्रों और काउंसिल सदस्यों से मुलाकात की और यह जानकार प्रसन्नता व्यक्त की कि इनकी विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक समितियों व संस्थान की सांस्कृतिक गतिविधियों में अच्छी भागीदारी है।

पीयर टीम यह जानकर भी बहुत खुश हुई कि यहां खेलकूद इंडोर और आउटडोर आदि के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं, जिम और योगासेंटर है। कैम्पस और होस्टल में वार्षिक बिजली खपत का 77 प्रतिशत एलईडी लाइटों से है और कई वर्षाजल संरक्षण ढांचों का इस्तेमाल किया जाता है। पीयर टीम की रिपोर्ट के अनुसार सभी भवनों की छतों पर सोलर पैनल लगे हैं जो यहां की बिजली की 60–70 प्रतिशत आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

पीयर टीम को यहां सॉलिड, लिक्विड और इलेक्ट्रिक वेस्ट मैनेजमेंट की सुविधा बहुत अच्छी लगी। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया है कि युनिवर्सिटी में एक डीएसटी प्रायेाजित जल परिशोधन प्रोजेक्ट है और इसे एक आदर्श गांव में भी लगाया गया है।

पीयर टीम की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि एमयूजे का शानदार इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतरीन ढंग से इस्तेमाल किया जाता है और इसकी देखभाल बहुत अच्छे ढंग से की जाती है। यहां छात्रों के खेलकूद के लिए प्रमाणीकृत ट्रेनर्स व आउटडोर व इनडोर खेल सुविधाएं भी मौजूद हैं। वे कैम्पस की सफाई, हरियाली और अच्छी स्थिति से बहुत प्रभावित हुए।

एमयूजे की लीडरशिप का नेतृत्व करने वाले प्रेसीडेंट प्रोफेसर गोपालकृष्ण प्रभु, प्रो. प्रेसीडेंट प्रोफेसर नीति निपुण शर्मा और रजिस्ट्रार प्रोफेसर रविकृष्ण कामत व आईक्यूएसी के साथ संवाद के बाद टीम ने कहा कि संस्थान का प्रशासन स्पष्ट, पारदर्शी और प्रभावी नेतृत्व के पास है और उच्च शिक्षा तथा मानव विकास के ग्लोबल लीडर के विजन के अनुरूप है। युनिवर्सिटी का संस्थागत ढांचा नियमों के अनुसार और शैक्षणिक व प्रशासनिक निर्णय भागीदारी पूर्ण तरीके से लिए जाते हैं।

'ए प्लस' रेटिंग से भविष्य में होने वाले लाभ

- एमयूजे यूजीसी द्वारा निर्धारित श्रेणी के अनुसार द्वितीय श्रेणी युनिवर्सिटी में शामिल है।
- यह डीम्ड युनिवर्सिटी के योग्य है।
- युनिवर्सिटी नया कोर्स या प्रोग्राम शुरू कर सकती है।
- इसके मौजूदा फ्रेमवर्क में यूजीसी की अनुमति के बिना डिपार्टमेंट, स्कूल या सेंटर शुरू किए जा सकते हैं।
- नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के अनुसार यूजीसी की अनुमति के बिना स्किल कोर्स शुरू किए जा सकते हैं।
- भारत सरकार के नियमों के अनुसार कमीशन की अनुमति के बिना विदेशी शिक्षक नियुक्त कर सकती है जो दुनिया के 500 श्रेष्ठ संस्थानों में पढ़ा चुके हों जैसे टाइम्स हायर एज्यूकेशन, वर्ल्ड युनिवर्सिटी रेकिंग या क्यूएस रेकिंग पा चुके हैं। यह संख्या उनके कुल स्वीकृत शिक्षक पदों के 20 प्रतिशत के अतिरिक्त तक हो सकती है। अपनी गवर्निंग काउंसिल की शर्तों के अनुसार विदेशी शिक्षकों को टेन्योर या अनुबंध पर नियुक्त कर सकती है।
- युनिवर्सिटी अपने घरेलू छात्रों की स्वीकृत संख्या के 20 प्रतिशत अतिरिक्त विदेशी छात्रों को प्रवेश दे सकती है।
- युनिवर्सिटी ओपन या दूरस्थ शिक्षा के तहत कमीशन की स्वीकृति से कोर्स शुरू कर सकती है। इसे इस संबंध में बनाए गए नियमों के तहत शर्ते पूरी करनी होगी।